बिहार सरकार

श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री,
बिहार

श्री सम्राट चौधरी
माननीय उप मुख्यमंत्री,
बिहार

श्री विजय कुमार सिन्हा
माननीय उप मुख्यमंत्री,
बिहार

श्री संजय सिंह (टाइगर)
माननीय मंत्री
युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग

युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग

अभिभाषण - 2026-27

पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) में महिला आई०टी०आई० एवं सेंटर ऑफ एक्सिलेंस का निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) में महिला आई०टी०आई० एवं सेंटर ऑफ एक्सिलेंस का निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

सारण जिले में नव-निर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०) का निरीक्षण करते माननीय मंत्री एवं सचिव

टाटा टेक के सहयोग से राजकीय आईटीआई को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उन्नत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 101वें स्कॉच अवॉर्ड समारोह में मिला गोल्ड अवॉर्ड

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०) मढौरा, सारण का उद्घाटन एवं निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

सारण जिले में नव-निर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०) का उद्घाटन एवं निरीक्षण किया माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), डालमियानगर का निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), डालमियानगर का उद्घाटन एवं निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

सारण जिले में नव-निर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०) का उद्घाटन एवं निरीक्षण किया माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

बिहार सरकार

युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग

बिहार सरकार

श्री संजय सिंह (टाइगर)
मंत्री,
युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग

मंत्री

युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग,

बिहार सरकार

का

बजट भाषण

वित्तीय वर्ष : 2026-27

संजय सिंह (टाइगर)

मंत्री,
युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग
बिहार

माननीय अध्यक्ष महोदय!

हाथों में हुनर हो, आँखों में विश्वास,
युवाओं के दम पर लिखेगा नया इतिहास।
नया बिहार गढ़ेगी ये जागती पीढ़ी,
संघर्ष से संकल्प तक—यही है असली सीढ़ी।

महोदय!

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार राज्य के बेरोजगार युवक-युवतियों और तकनीकी प्रशिक्षणार्थियों के लिए कई महत्वपूर्ण, कल्याणकारी एवं रोजगारपरक योजनाएँ संचालित कर रहा है। जवाहरलाल नेहरू पथ पर 'नियोजन भवन' में अवस्थित युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार के युवाओं के कौशल उन्नयन और बाजार मांग आधारित कुशल कार्यबल तैयार करने हेतु संकल्पित है। इस उद्देश्य से विभाग के अन्तर्गत मुख्य रूप से निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण और बिहार कौशल विकास मिशन का संचालन किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 01 (एक) करोड़ रोजगार के लक्ष्य की पूर्ति के लिए सतत् कार्य कर रहा है।

महोदय! निदेशालय (नियोजन) के द्वारा राज्य के बेरोजगार युवकों एवं युवतियों को नियोजन कैम्प एवं नियोजन मेला के माध्यम से रोजगार हेतु सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही विदेश में रोजगार के लिए इच्छुक युवक-युवतियों के लिए 'बिहार राज्य समुद्रपार नियोजन ब्यूरो' की स्थापना की गयी है। निदेशालय (प्रशिक्षण) के अन्तर्गत राज्य के युवक-युवतियों को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संचालित हैं। इन्हें स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से कौशल युक्त प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु 'बिहार कौशल विकास मिशन' की स्थापना की गई है, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री जी के सात निश्चय-2 में से एक 'आर्थिक हल – युवाओं को बल' संकल्प के तहत कौशल विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है।

महोदय!

इस प्रकार हमारी सरकार में युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, राज्य के विकास में महती भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा युवाओं को तकनीकी कौशल प्रदान किया जाना:-

- **महोदय!** बिहार अपनी मानव शक्ति को इस भूमण्डलीय युग में वर्तमान माँग के अनुरूप कुशल कामगार तैयार करने के प्रति दृढ़संकल्पित है। कुशल कामगारों के आपूर्ति पक्ष को मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य में **'जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय'** की स्थापना की गई है।
- **महोदय!** राज्य में आधुनिक माँग के अनुरूप उच्च कोटि के कौशल प्रशिक्षण हेतु **'Hub & Spoke Model'** के आधार पर प्रथम चरण में सभी प्रमंडलों में एक-एक 'मेगा स्किल सेंटर' की स्थापना की स्वीकृति प्राप्त कर प्रशिक्षण प्रारंभ करने हेतु आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है। द्वितीय चरण में राज्य के सभी जिलों में **मेगा स्किल सेंटर** की स्थापना की जानी है।
- **महोदय!** वर्तमान में राज्य में **152 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संचालित हैं जिनमें 114 सामान्य एवं 38 महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संचालित हैं।** जिसमें **149 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित कर Industry 4.0** के अनुरूप नये-नये रोजगारपरक व्यवसायों में प्रशिक्षण दिये जाने की योजना है।
- **महोदय!** 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के अंतर्गत प्रथम चरण में 60 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को विकसित कर अब तक **कुल 7,865 प्रशिक्षणार्थियों** को प्रशिक्षित किया गया है तथा **5,570 प्रशिक्षणार्थियों** को विभिन्न प्रतिष्ठानों में रोजगार का अवसर भी प्रदान किया गया है।
- **महोदय!** 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के अंतर्गत द्वितीय चरण में 89 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को विकसित कर माह मार्च, 2026 तक प्रशिक्षण प्रारंभ करने का लक्ष्य है।
- **महोदय!** राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में **वर्ष 2025 में कुल 1,383 नये अनुदेशकों की नियुक्ति** बिहार तकनीकी सेवा चयन आयोग, पटना द्वारा की गई है तथा नियुक्त **60 अनुदेशकों को 'प्रशिक्षण एवं पुनर्प्रशिक्षण' योजनान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र (State Staff Training and Research Center - (SSTRC), लखनऊ** के द्वारा दिया गया है तथा शेष अनुदेशकों को - **सेंट्रल स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (CSTARI), कोलकाता** द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है।
- **महोदय!** राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में **वर्ष 2025 में उप प्राचार्य के पदों पर कुल 76 नियुक्ति** बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से की गई है तथा उप प्राचार्य के पदों पर **50 नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं।** नव नियुक्त सभी नये उप-प्राचार्यों को बिपार्ड (BIPARD), गया के माध्यम से आवासीय प्रशिक्षण दिया गया है।
- **महोदय! 138 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का प्रशिक्षण** अपने भवन में संचालित है तथा **08 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का भवन निर्माण** का कार्य अंतिम चरण में है।
- **महोदय!** 'मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम' योजनान्तर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में **कुशल प्रशासन एवं गुणात्मक विकास, पारदर्शिता, नामांकन पद्धति एवं परीक्षा प्रणाली में सुदृढ़ीकरण इत्यादि के कार्य हेतु विभागीय पोर्टल का निर्माण** किया गया है।
- **महोदय!** 'मशीनों का आधुनिकीकरण' योजनान्तर्गत राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से **मशीन टूल्स एवं उपस्कर का क्रय** किया गया है, जो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाएगा और हमारे युवा आधुनिक तकनीक के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।
- **महोदय!** छात्र एवं युवा कल्याण निदेशालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय युवा वाहिनी, नेहरू युवा केंद्र आदि के माध्यम युवा प्रतिभा की पहचान, पोषण, एवं युवा कल्याण का अवसर प्राप्त होगा।

केन्द्र प्रायोजित योजनाएं:-

महोदय!

- बिहार के युवाओं के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वाली सरकार भी सजग और तत्पर है। **'मॉडल आई०टी०आई० योजना**, भारत सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई है, जिसमें **केन्द्रांश एवं राज्यांश का अनुपात 70:30 है।** इस योजना के अन्तर्गत **औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मढ़ौरा** का उन्नयन किया जा रहा है, जिसमें संस्थान को स्थानीय औद्योगिक माँग के अनुरूप उत्पादन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाना है।
- **शिक्षु अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत 'National Apprenticeship Promotion Scheme'** के प्रचार-प्रसार हेतु प्रत्येक माह **13 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों** में 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिसशिप मेला' आयोजन किया जा रहा है।
- **महोदय!** अब तक राज्य के 38 जिलों में कुल **234** संस्थानों में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें **कुल 4,318 प्रतिष्ठान एवं 15,074 अभ्यर्थियों** ने भाग लिया। मेला के माध्यम से अब तक कुल **748 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण हेतु अनुबंध सृजित (Contract Generate)** किया गया है।
- औद्योगिक मूल्य संवर्धन हेतु **कौशल सुदृढ़ीकरण (स्ट्राइव), प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार** द्वारा प्रायोजित शत्-प्रतिशत् केन्द्र संपोषित योजना है, जिसके अन्तर्गत राज्य के 04 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों यथा- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गया, दीघा घाट, पटना, डेहरी-ऑन-सोन और मुंगेर को आच्छादित किया गया है।

भावी कार्यक्रम

2026-27 PM-SKILLING & EMPLOYABILITY TRANSFORMATION THROUGH UPGRADED ITI (PM-SETU)

महोदय!

बिहार की मिट्टी में हुनर की खुशबू बसती है,

यहाँ की युवा शक्ति हर बाधा से लड़ती है।

1. **बिहार युवाओं से आच्छादित है और बिहार के युवा परिश्रमी और हुनरमंद हैं। बाजार मांग आधारित कार्यबल के लिए युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग हर स्तर पर आधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है।**

- **महोदय!** इस योजना का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु **200 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को 'हब' (Hub) तथा 800 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को 'स्पोक' (Spoke)** के रूप में उद्योगों के सहयोग से विकसित किया जाना है।
- इसके अन्तर्गत पूर्व से चल रहे पाठ्यक्रम को **Re-design** एवं नये व्यवसायों को प्रारंभ करने के साथ-साथ **'Short Term Specialized Course'** को **'Hub ITI'** में प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में **Schneider Electric Ltd. एवं Maruti Suzuki India Ltd.** से वार्ता की जा रही है।
- राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में **विदेशी भाषा पाठ्यक्रम (जापानी, फ्रेंच, स्पैनिश एवं जर्मन)** में प्रशिक्षण प्रारंभ कराये जाने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।
- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नवनियुक्त अनुदेशकों के कौशल उन्नयन हेतु **प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र (State Staff Training and Research Center - (SSTRC), लखनऊ एवं केन्द्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, Central Staff Training And Research Institute - (CSTARI), कोलकाता** से प्रशिक्षण कराया जाना प्रस्तावित है।
- टाटा टेक (COE) के अन्तर्गत **149 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों** में दीर्घकालिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण देने के निमित्त नए व्यवसाय एवं पद सृजन कराया जाना प्रस्तावित है।
- व्यवसाय अनुदेशकों के रिक्त पदों का रोस्टर क्लियर करने के उपरांत **नियुक्ति हेतु अधियाचना** बिहार तकनीकी सेवा आयोग, पटना को प्रेषित किया जाना प्रस्तावित है।
- उप प्राचार्य के **50 पदों पर नियुक्ति** हेतु बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा प्रकाशित **विज्ञापन सं०-40/2025 के आलोक में नियुक्ति** किया जाना प्रस्तावित है।
- निम्नवर्गीय लिपिक के **239 पदों पर नियुक्ति** हेतु बिहार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा **विज्ञापन सं०-02/23 प्रकाशित** किया गया है एवं **36 पदों** की अधियाचना सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना को प्रेषित है।
- कार्यालय परिचारी/परिचारी विशिष्ट (कोटि-IV, III, II, I) के रिक्त **203 पदों** पर नियुक्ति हेतु बिहार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा **विज्ञापन सं०-06/25 प्रकाशित** किया गया है।

- कुल 21 संस्थानों का निर्माण वर्ष 1960 से 1980 के दशक में किया गया है। वर्तमान में इन संस्थानों के पुराने भवन यथा- कर्मशाला, छात्रावास, प्रशासनिक भवन, वर्गकक्ष आदि काफी जर्जर अवस्था में हैं। प्रशिक्षण महानिदेशालय, भारत सरकार द्वारा भी समय-समय पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के मापदण्ड में बदलाव किये गए हैं। तदालोक में राज्य में निर्मित पुराने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के भवनों का जीर्णोद्धार/पुनर्निर्माण नए मापदण्ड के अनुरूप कराए जाने की आवश्यकता है।
- राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में निर्मित कुल **41 (इकतालीस) छात्रावासों** का संचालन कराया जाना है।
- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु सरकारी भवनों के रख-रखाव के निमित्त 'मेंटेनेंस पॉलिसी' के गठन कराए जाने का प्रस्ताव है।

कौशल के दीप जले, सपनों को मिले उड़ान,

मेहनत और शिक्षा से बनेगा बिहार महान।

***

2. राज्य के युवा-बल को रोजगार के अवसर प्रदान किया जाना:-

- **महोदय!** वित्तीय वर्ष 2025-26 में अबतक **नियोजन मेला के माध्यम से 19,593 आवेदकों** एवं **नियोजन कैम्प के माध्यम से 22,329 आवेदकों** सहित **कुल 41,922 आवेदकों** को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में **National Career Service- (NCS) Portal पर कुल 13,57,865 अभ्यर्थियों का निबंधन एवं 1,28,584 अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन** दिये जाने का कार्य किया गया।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में टूल किट योजना के अंतर्गत राज्य के बेरोजगार युवाओं के स्वरोजगार हेतु **657 अभ्यर्थियों को टूल किट तथा स्टडी किट योजना** के अंतर्गत राज्य के प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे **1,967 अभ्यर्थियों को स्टडी किट का वितरण** किया गया है।
- 'बिहार राज्य समुद्रपार नियोजन ब्यूरो' की स्थापना का मुख्य उद्देश्य **बिहार से विदेश जाने वाले कामगारों को सुरक्षित एवं वैध उत्प्रवास कराना** है। कामगारों के सुरक्षित एवं वैध उत्प्रवास हेतु राज्य के पाँच जिले यथा- **गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पटना एवं पश्चिम चंपारण (बेतिया) में 'प्रस्थान पूर्व उन्मुखीकरण प्रशिक्षण' Pre-Departure Orientation and Training - (PDOT)** दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 तक **PDOT प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु कुल 1,911 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण** दिया गया।
- राज्य के सभी जिलों में 'Pre Departure Orientation Training' (PDOT) केन्द्र की स्थापना किये जाने की योजना है।
- राज्य के सभी जिला नियोजनालयों में 'उत्प्रवासी संसाधन केन्द्र' स्थापित किये गये हैं। इन केन्द्रों के द्वारा रोजगार हेतु उत्प्रवास को सुरक्षित बनाने के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।
- बिहार से विदेशों में उत्प्रवास करने वाले कामगारों के लिए **माह सितम्बर-2025** तक कुल **464 विशेष जागरूकता कैंप** के माध्यम से कुल **8,636 अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन** दिया गया।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य स्कीम अंतर्गत **₹945.95 लाख** के व्यय पर **कुल 05 योजनाओं का संचालन** किया जा रहा है।

3. बिहार कौशल विकास मिशन के माध्यम से राज्य के युवाओं का कौशल अभिवर्धन:-

महोदय!

युवाओं का कौशल अभिवर्धन, भविष्य का निर्माण है,

मेहनत, शिक्षा और हुनर—यही विकास की पहचान है।

भविष्य में कौशल विकास और तकनीक की महत्ता के साथ–साथ कार्यस्थल पर कुशल कार्यबल को तैयार करने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री जी के विजन के अनुसार **बिहार कौशल विकास मिशन (BSDM)** की स्थापना वर्ष 2010 में की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य में सभी कौशल विकास कार्यक्रमों को गति एवं दिशा प्रदान करना है। वर्तमान में बिहार कौशल विकास मिशन, **युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग** के अन्तर्गत कौशल विकास हेतु नोडल एजेंसी के रूप में कार्यरत है।

महोदय! बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत विभिन्न पहलुओं पर कार्य किया गया है, जैसे- विभिन्न लक्षित समूहों को रोजगार से जोड़ने के लिए **क्षमतावर्धन, रोजगारोन्मुखी एवं पूर्व शिक्षा को मान्यता देने वाले कार्यक्रमों की परिकल्पना** की गई। आज इन कार्यक्रमों के माध्यम से पारंपरिक एवं आधुनिक/विकसित पाठ्यक्रमों में समग्र प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

- इस सफर की शुरुआत **दिसंबर 2016 में 48 केंद्रों** से हुई थी, परंतु आज प्रशिक्षण को हर संभावित प्रशिक्षणार्थी के दरवाजे पर ले जाने के लक्ष्य के साथ प्रदेश में **3000 से अधिक कौशल प्रशिक्षण केंद्रों** की स्थापना की गयी है। इस सम्पूर्ण प्रशिक्षण केन्द्र के नेटवर्क से यह सुनिश्चित किया गया है कि बिहार के सभी **534 प्रखण्डों में प्रशिक्षण हेतु कम से कम एक केंद्र अवश्य उपलब्ध** हो। केन्द्रों का यह जाल उत्तर में नेपाल की सीमा से लेकर दक्षिण में झारखंड राज्य की सीमा तक, तो पूर्व में बंगाल की सीमा से लेकर पश्चिम में उत्तर प्रदेश की सीमा तक फैला हुआ है।

- **महोदय!** हमारी इस कोशिश में हमने 27 लाख से अधिक प्रशिक्षुओं को अलग-अलग कार्यक्रमों में जोड़ा और इसमें से 30 लाख से अधिक युवाओं को अब तक प्रशिक्षित किया है। इस क्रम में बिहार की बेटियों ने भी विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में काफी उत्साह से बढ़-चढ़ कर भाग लिया है। **'कुशल युवा कार्यक्रम'**, जो बिहार कौशल विकास मिशन का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इसमें दिसंबर 2016 के प्रशिक्षण बैच में, जहां महिलाओं एवं पुरुषों का **अनुपात** 20:80 था, वही जनवरी 2026 के प्रशिक्षण बैच में यह अनुपात **65:35** हो चुका है। यह इस बात का द्योतक है कि बिहार की महिलाओं में कौशल विकास हेतु एक सकारात्मक अवधारणा विकसित हुई है और वे बिहार की प्रगति में अपना योगदान सुनिश्चित करने के लिए कौशल प्रशिक्षण को एक सशक्त माध्यम के रूप में देख रही हैं।

- महिलाओं एवं युवतियों की अधिक भागीदारी के लिए भी BSDM द्वारा कई नवीन पहल किए जा रहे हैं, जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत केवल 'महिला बैच' का संचालन। **'भर्ती प्रशिक्षण तैनाती' यानि Recruit, Training and Deploy (RTD) योजना** के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में **300 से अधिक महिलाओं का प्लेसमेंट बैंगलोर में शाही एक्सपोर्ट्स एवं अरविंद मिल्स** जैसी बड़ी कंपनियों में हुआ है।

- **'कुशल युवा कार्यक्रम' अर्थात KYP** में भी सिर्फ महिलाओं के लिए बैच का परिचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2024-25 में महिलाओं के लिए **पटना नगर निगम** के तत्वावधान में **'ई-कार्ट ड्राइविंग' जैसे रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण** के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने का कार्य किया गया है।

- मिशन द्वारा विभिन्न पारंपरिक क्षेत्रों जैसे- **सूचना प्रावैधिकी, स्वास्थ्य सेवा, रिटेल, विनिर्माण, परिधान, इलेक्ट्रानिक्स इत्यादि में प्रशिक्षण** कराने के साथ-साथ अन्य **आधुनिक/उन्नत पाठ्यक्रमों यथा- ड्रोन टेक्नोलॉजी, क्लाउड कम्प्यूटिंग, वेब डेवलपर, मल्टी स्किल टेक्निशियन जैसे कोर्स** में भी बिहार के अन्य विभागों के सहयोग से प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है, जिससे बिहार के युवा आज के आधुनिक औद्योगिक एवं रोजगार के बाजार में स्वयं को स्थापित कर अपने कैरियर में निरंतर आगे बढ़ते रहें।

- मिशन द्वारा राज्य के **प्राथमिक औद्योगिक क्षेत्र 'कृषि एवं संबद्ध सेवा'** में भी निरंतर प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है। इसमें **मशरूम उत्पादन** जैसे विषयों पर राज्य के किसान एवं उद्यमियों को प्रशिक्षित कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़े जाने का प्रयास किया गया है, जिसके फलस्वरूप बिहार मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में में देश में पहले पायदान पर है।

- साथ ही, मिशन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य के **अनौपचारिक क्षेत्र यथा- स्ट्रीट फूड विक्रेता, टायर फिटर, स्ट्रीट वेंडर एवं चप्पल निर्माण में लगे श्रमिकों** के लिए भी कौशल विकास का मार्ग प्रशस्त किया है और उनके कौशल की पहचान को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

- **महोदय!** हमारे प्रयासों की नवीनता एवं प्रतिबद्धता को विभिन्न मंचों पर प्रोत्साहित किया गया है। हमारे प्रमुख कार्यक्रम जैसे 'कुशल युवा कार्यक्रम' एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में आरटीडी को राष्ट्र स्तरीय **'SKOCH पुरस्कार'** से सम्मानित किया गया है। हमारे कुशल युवा कार्यक्रम को नीति आयोग के सर्वोत्तम अभ्यास संकलन में भी शामिल किया गया है।

- मिशन द्वारा किए गए प्रयासों का ही यह परिणाम है कि बिहार राज्य के युवाओं ने कौशल प्रतियोगिता के ओलंपिक कहे जाने वाले आयोजन **'वर्ल्ड स्किल्स' प्रतियोगिता** के राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपना परचम लहराया और प्रतियोगिता **वर्ष 2024 में 3 स्वर्ण, 1 रजत एवं 3 कांस्य सहित कुल 13 पदक जीते तथा फ्रांस के लियोन शहर में आयोजित वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता में बिहार से भी तीन प्रतिभागियों ने भाग लिया**, जिसमें एक प्रतियोगी ने **'मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस'** का पदक प्राप्त किया। इस वित्तीय वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन मिशन द्वारा (NSDC) नेशनल स्किल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के सहयोग से किया जा रहा है, जिसके लिए राज्यस्तरीय प्रतियोगिता करायी जा रही है।

- मिशन द्वारा दिनांक **10 से 15 जुलाई, 2025** को पटना के दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान में **'मेगा जॉब फेयर'** का आयोजन किया गया, जो राज्य में कौशल एवं रोजगार सशक्तिकरण को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल था। इसमें **लगभग 79 प्रतिष्ठित कंपनियों** ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस रोजगार मेले में कुल **68,400 युवाओं** ने पंजीकरण कराया, जो राज्य के युवाओं की उच्च सहभागिता एवं रोजगार-अवसरों के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाता है। पंजीकृत आवेदकों में से **11,235 युवाओं** का कंपनियों द्वारा साक्षात्कार किया गया, जिनमें से **3,991 अभ्यर्थियों** को विभिन्न पदों पर नियोजन के लिए चयनित किया गया।

- इस रोजगार मेले से न केवल योग्य युवाओं को उद्योगों से जोड़ने का अवसर प्राप्त हुआ, बल्कि राज्य में कौशल आधारित रोजगार पारितंत्र को सुदृढ़ करने और युवाओं को उद्योग अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने में सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही, कौशल विकास के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे साझेदारों को भी सम्मानित किया गया एवं राज्य में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **प्रतिष्ठित नियोक्ताओं/संस्थानों के साथ हस्ताक्षरित एकरारनामा भी हस्तांतरित** किया गया।

- **महोदय!** बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा राज्य के प्रवासी श्रमिकों को **परामर्श, दस्तावेजों से संबंधित सहायता, रोजगार संपर्क, वित्तीय एवं कानूनी साक्षरता तथा नियोजन** के पश्चात सहायता प्रदान करने हेतु राज्य में कुल 10 स्थानों यथा- **पटना, पूर्णिया, भागलपुर, मधुबनी, सिवान, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सीतामढ़ी एवं गया में 'प्रवासी परामर्श सह पंजीकरण केंद्र' (Migration Counselling cum Registration Centre-MCRC)** की स्थापना की जा रही है। उक्त कार्य हेतु संस्था का चयन कर अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है एवं स्थापना प्रक्रियाधीन है। यह केन्द्र प्रवासी मजदूरों के मार्गदर्शन, आवश्यक सूचनाओं के आदान-प्रदान, काउंसलिंग तथा कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों से निपटने में सहायता प्रदान करेगा।

- बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित **कॉल सेंटर की स्थापना** से आम जनमानस को विभागीय लाभकारी योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त करने तथा किसी भी प्रकार के सुझाव या शिकायत दर्ज कराने में कोई कठिनाई नहीं होती है। साथ ही, कॉल सेंटर के प्रभावी क्रियान्वयन से आम लोगों की सुलभता बढ़ती है एवं 'Ease of Living' पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा राज्य के युवाओं के लिये संचालित योजनाओं का विवरण निम्न प्रकार है:-

कौशल से रोजगार, रोजगार से सम्मान,

युवाओं के दम पर बदलेगा बिहार का पहचान।

1. कुशल युवा कार्यक्रम (KYP) :-

महोदय! राज्य सरकार की योजना **'सात निश्चय' के अधीन 'आर्थिक हल युवाओं को बल'** के अन्तर्गत कुशल युवा कार्यक्रम की परिकल्पना की गई, जिसमें राज्य के 10वीं पास युवा जिनकी आयु 15-28 वर्ष (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति 33 वर्ष, दिव्यांग 33 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग 31 वर्ष) है, को रोजगारपरक बनाने के उद्देश्य से 240 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस योजनान्तर्गत अब तक **कुल नामांकन 32,21,397, प्रशिक्षण 24,69,121 एवं प्रमाणीकरण 24,39,412** है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल **2,08,141 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण एवं 1,95,812 अभ्यर्थियों का प्रमाणीकरण** हुआ है।

2. भर्ती-प्रशिक्षण-तैनाती (Recruit Train Deploy - RTD Scheme) :-

महोदय! बिहार सरकार द्वारा एक नवीन पहल के अन्तर्गत भर्ती प्रशिक्षण तैनाती (RTD) योजना प्रारंभ की गई जिसमें 15 से 45 वर्ष आयु के अभ्यर्थी को उद्योगों द्वारा अपनी आवश्यकतानुसार बनाए गए प्रशिक्षण मापदण्डों के आधार पर प्रशिक्षण देने का कार्य किया जाता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण पर होने वाले व्यय का वहन बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा किया जाता है।

राज्य सरकार के इस नूतन पहल के रूप में अपनी पहचान बनाने वाली भर्ती-प्रशिक्षण-तैनाती योजनान्तर्गत कुल 17,719 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है जिसमें **कुल 9,170 प्रमाणित एवं 4,207 से अधिक अभ्यर्थियों** को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 2,861 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है जिसमें **कुल 927 प्रमाणित एवं 142 से अधिक अभ्यर्थियों** को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं।

3. डोमेन स्किलिंग (Domain Skilling) :-

महोदय! राज्य के युवा जिनकी आयु 15 से 59 वर्ष है एवं पाठ्यक्रम की आवश्यकता या योजना विशिष्ट दिशानिर्देश के अनुसार निर्धारित न्यूनतम योग्यता को पूर्ण करते हैं, उनके लिये डोमेन स्किलिंग योजनान्तर्गत **16 विभागों में रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण** का कार्य संचालित किया जा रहा है, जिसका समन्वय बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा किया जाता है। यह कार्यक्रम युवाओं को उनके चुने हुए क्षेत्र में उनकी पेशेवर स्थिति में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

इस योजनान्तर्गत अब तक **6.48 लाख** से अधिक अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है, जिसमें **5.42 लाख से अधिक अभ्यर्थी प्रमाणित एवं 2 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर** उपलब्ध कराये गये हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में **कुल 24,032 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण, 21,926 का प्रमाणीकरण एवं 12,938 अभ्यर्थियों** को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं।

4. बिहार स्टेट सर्टिफिकेट इन फायनेंशियल एकाउंटिंग (BS-CFA) :-

महोदय! राज्य के मझौले एवं लघु उद्योगों को लेखा संधारण तथा वस्तु एवं सेवा कर (GST) फाइलिंग करने में सहयोग प्रदान करने एवं इस क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाओं को देखते हुए बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा 'बिहार स्टेट सर्टिफिकेट इन **फायनेंशियल एकाउंटिंग' (BS-CFA)** कोर्स की परिकल्पना की गई, जिसमें **17 से 45 वर्ष के 12वीं पास युवाओं** को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। बीएससीएफए योजनान्तर्गत कुल **22,019 अभ्यर्थियों** का प्रशिक्षण कराया गया है जिसमें **कुल 21,764 अभ्यर्थी प्रमाणित** भी हो चुके हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल **2,804 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण कराया गया है जिसमें कुल 2,751 अभ्यर्थी प्रमाणित** भी हो चुके हैं।

5. रिकग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग Recognition of prior learning (RPL) :-

महोदय! देश के असंगठित कार्यबल की दक्षताओं को **मानकीकृत राष्ट्रीय कौशल अहर्ता फ्रेमवर्क (NSQF)** में संयोजित करने के उद्देश्य से इस योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसमें 18 से 59 वर्ष के युवा जो संबंधित पाठ्यक्रम के लिए **सेक्टर स्किल काउंसिल** द्वारा परिभाषित प्री-स्क्रीनिंग मानदंडों को पूरा करते हैं, उनको प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। आर०पी०एल० के माध्यम से मुख्य रूप से **पूर्वार्जित ज्ञान एवं कौशल को मान्यता** प्रदान किया जाता है। आर०पी०एल० योजनान्तर्गत अब तक कुल **39,370 अभ्यर्थियों** का प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है एवं कुल **27,619 अभ्यर्थी** प्रमाणित हो चुके हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक कुल **11,695 अभ्यर्थियों** का प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है एवं कुल **9,781 अभ्यर्थी** प्रमाणित हो चुके हैं।

6. मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना (CM-Pratigya) :-

महोदय! 'मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा' योजना बिहार के युवाओं को **उन्नत कौशल, रोजगार क्षमता और करियर संवर्धन** हेतु 3 से 12 माह की उद्योग आधारित **इंटर्नशिप** प्रदान करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजनान्तर्गत 18 से 28 वर्ष आयु के वे युवा, जो **कौशल प्रशिक्षण प्राप्त/प्रमाणित हों या न्यूनतम 12वीं, आई०टी०आई०, डिप्लोमा, स्नातक अथवा स्नातकोत्तर योग्य हों,** पात्र होंगे। इस इंटर्नशिप योजना के माध्यम से युवाओं को विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कराकर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए सक्षम बनाया जाएगा।

विवरण	संख्या/स्थिति
कुल पंजीकृत युवाओं की संख्या	2,24,735
कुल अनुमोदित प्रतिष्ठानों की संख्या	अनुमोदित-94, अनुमोदन की प्रक्रिया में-01
कुल शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों की संख्या	14,179
कुल उपलब्ध इंटर्नशिप अवसरों की संख्या	12,257

7. मेगा स्किल सेंटर (Mega Skill) :-

महोदय! राज्य के युवाओं एवं जन सामान्य को बेहतर भविष्य की दिशा में कौशल और प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने, विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसरों को समझने में मदद एवं उनको मिलने वाले अवसरों की दिशा में मार्गदर्शन करने, साथ ही युवाओं को अच्छे कौशल एवं नौकरी के अवसर प्रदान करते हुए उनके आर्थिक स्थिति को सुधारने के उद्देश्य से **'सात निश्चय पार्ट-2'** के तहत हर जिले में **"मेगा स्किल सेंटर (मार्गदर्शन, नयी स्किल में प्रशिक्षण)"** स्कीम के अन्तर्गत बिहार कौशल विकास मिशन के अधीन किया जाना प्रस्तावित है।

महोदय! प्रथम चरण में सभी **09 प्रमंडलीय जिलों में मेगा स्किल सेंटर** स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। इन केंद्रों को क्षेत्रीय कौशल विकास के केंद्रीय संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल में युवाओं को प्रशिक्षित किया जायेगा।

8. विदेशी भाषा प्रशिक्षण (Foreign Language) :-

महोदय! विदेशों में भारतीय कुशल कामगारों की बढ़ती मांग की आपूर्ति हेतु बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा विभिन्न विदेशी भाषाएँ जैसे कि **English, German, Japanese, Korean और Arabic** आदि में प्रशिक्षण कार्य संपादित किये जाने हेतु संस्था का चयन कर प्रशिक्षण का कार्य दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान, पटना में दिनांक 17.12.2025 से संचालित किया जा रहा है, जिसमें **160 युवा प्रशिक्षणरत** हैं।

9. भावी कार्य योजना :-

बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने तथा मूल्यांकन एवं प्रमाणन प्रक्रियाओं का मानकीकरण एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु **'राष्ट्रीय कौशल मानक एवं मूल्यांकन परिषद' (NCVET) से 'असेसमेंट एवं अवार्डिंग बॉडी' के रूप में दोहरी मान्यता (Dual Accreditation) प्राप्त करने का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।**

युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, युवाओं को तकनीकी एवं रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ-साथ सरकार उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कृतसंकल्पित है।

"सपना आपका, संकल्प हमारा"

***

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), गोपालगंज का उद्घाटन एवं निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), वैशाली का उद्घाटन एवं निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), वैशाली का उद्घाटन एवं निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), वैशाली के परिसर में पौधरोपण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), वैशाली का उद्घाटन एवं निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), गोपालगंज का उद्घाटन एवं निरीक्षण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), गोपालगंज

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), गुलजारबाग, पटना

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई०टी०आई०), वैशाली

शिक्षा के बाद अनुभव की बारी

'सीएम प्रतिज्ञा योजना' से करें करियर की तैयारी

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रशिक्षित युवाओं का राज्य के MSME, सार्वजनिक उपक्रमों व सरकारी संस्थानों में इंटर्नशिप हेतु नियोजन एवं **आर्थिक सहायता**

इंटर्नशिप की पात्रता और अवधि

12वीं पास, आईटीआई, डिप्लोमा, KYP/RTD, डोमेन स्किलिंग आदि से 6 माह का प्रशिक्षण या स्नातक और स्नातकोत्तर

आयु सीमाः 18 से 28 वर्ष

इंटर्नशिप की अवधिः आवश्यकतानुसार 3 माह से 12 माह तक

लाभार्थियों को दी जाने वाली इंटर्नशिप राशि का विवरण

- 12वीं पास/प्रमाणित प्रशिक्षणार्थीः ₹4,000 प्रति माह
- 6 माह का कौशल प्रशिक्षण/आईटीआई/डिप्लोमा पासः ₹5,000 प्रति माह
- स्नातक/स्नातकोत्तरः ₹6,000 प्रति माह
- राज्य में गृह जिले से बाहर इंटर्नशिप परः ₹2,000 प्रति माह
- राज्य से बाहर इंटर्नशिप परः ₹5,000 प्रति माह

इंटर्नशिप देने वाले संस्थानों के लिए पात्रता

- बिहार के उद्यम/MSME जो सरकारी पोर्टल पर पंजीकृत हों
- कम से कम 3 वर्ष पुरानी इकाई हो
- केंद्र/राज्य सरकार की PSU भी भाग ले सकती हैं

सभी लाभार्थियों को ***डीबीटी*** के माध्यम से सीधे आधार लिंक्ड ***बैंक खाते में स्टाइपेंड राशि*** का भुगतान किया जायेगा।